

**M. A. 2nd Semester  
Cognitive Psychology  
Unit 1...**

**Dr Yashwant Kumar,  
Department Of Psychology  
M. V. College Buxar**

21

JULY '07

29th Week

202nd Day

SATURDAY

JUNE 2007

JULY

AUGUST

Dr. Yashwant Kumar  
Head Dept. of Psychology  
M.D. College Bikaner

①

अवधान एक नैसर्गिक मानसिक प्रक्रिया है

8 जिसमें हम अपनी आने वाले के माध्यम से  
9 अपनी रचना एवं आवश्यकता के अनुसार किसी  
10 उद्देश्य विशेष को चुनकर जीवन केन्द्र  
में लाते हैं।

11 Morgan, King, Weiss & Shopler (1986)

12 के अनुसार "अवधान उन प्रत्यक्षताओं  
प्रक्रिया को कहा जाता है, जिसके द्वारा कुछ  
निश्चित उद्देश्यों को दिए हुए लक्षण में  
1 अपने जीवन अनुभूति या जीवन में लाने के लिए  
2 चुना जाता है।

3 Mathin (1983) के अनुसार "मानसिक

4 क्रिया की एकाग्रता ही अवधान है।"

5 अवधान एक नैसर्गिक

6 मानसिक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति वह विशेष क्षमताओं  
7 मुकाबला करके किसी वस्तु को जीवन केन्द्र में लाने की  
8 प्रयत्न करता रहता है।

9 अतः यदि शिक्षक को यह पता है

Notes

10 कि वह अपने विषय शिक्षक को बताने या छात्रों को  
11 शिक्षित करने में सक्षम है तब अवधान शिक्षक के द्वारा  
12 न समझना चाहते हैं। अवधान यह प्रक्रिया है

2021/06/10 13:36

इसकी उत्पत्ति में इसे विद्यापीठों की भांति ही  
अध्यय की इच्छा पर ध्यान नहीं देते हैं।  
इस प्रकार एकत्रित होकर भाषा/साहित्य के केवल  
शिक्षण की बात को ही सुनते हैं तथा उसे समझ भी  
पाते हैं अर्थात् वे अपना दिमाग में लाते हैं तथा  
समझ लेते हैं।

उपरोक्त दो परिभाषाओं में कमी बिना  
इस प्रकार की है :-

1. अब ध्यान पर लक्षणात्मक मानसिक प्रक्रिया है → इस  
प्रति उम्मा में उपस्थित है तथा शिक्षण पद्धति के केवल  
केवल शिक्षण की बात पर ही ध्यान देते हैं, जैसे कि,  
टैबुल, अन्य विद्यापीठों पर ध्यान नहीं देते अर्थात् वातावरण  
की अनेक उत्पत्तियों में वे किसी निश्चित उत्पत्ति को  
ही ध्यान समझे लेना केन्द्र में लाते हैं।

2. अवधान में शारीरिक अभिगमन होता है → यदि कोई  
ध्यान वर्ग में शिक्षण की बात को सुनता है तो उसमें  
ध्यान के मांस, कान, आदि शारीरिक स्थिति पर ध्यान  
अभिगमन रहती है तथा वह शिक्षण की बात को  
सुनता है तथा ध्यान ही अपने शारीरिक भाव  
को, इस कर्म के लिए अभी-वर्ती ध्यान, शारीरिक स्थिति  
में बदलाव भी करता है जो कि ध्यान पर ध्यान रखकर  
या ध्यान में रहकर या पीछे वाले ध्यान में ध्यान लेकर  
शिक्षण की बात सुनता है।



| AUGUST 2007 |    |    |    |    |    |    |
|-------------|----|----|----|----|----|----|
| S           | M  | T  | W  | T  | F  | S  |
|             |    | 1  | 2  | 3  | 4  |    |
| 5           | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 |
| 12          | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19          | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26          | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |    |

| SEPTEMBER 2007 |    |    |    |    |    |    |
|----------------|----|----|----|----|----|----|
| S              | M  | T  | W  | T  | F  | S  |
| 30             |    |    |    |    |    | 1  |
| 2              | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  |
| 9              | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 16             | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |
| 23             | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |

JULY '07

30th Week

206th Day

25

WEDNESDAY

⑥ अवधान में विमान का घुंघा फाटा जाता है :-

जब व्यक्ति को एक साल दो सा दो ले अधिक फिटनेस करने को दी जाती है तो दफ्त में विमान होता है।  
 जैसे :- साइकिल, मोटर साइकिल चलाने के श्रेक पर तथा लामने दोनो संगठ एक काम लगाने देना पड़ता है। कभी कभी तीसरा दफ्त वही चलाना भी पड़ता है।